भजन

बस इतनी तमन्ना है, दीदार तुम्हारे हो
ओ धाम धनी मेरे, हम तेरे सहारे हो
बस इतनी तमन्ना...

1–है लाखो गुण तेरे,मैं अवगुण हारी हूं
पर मैं तो यही जानू,पिया मैं तो तुम्हारी हूं
बस इतनी तमन्ना..
2–यहां कोई नही अपना,इक तुम ही हमारे हो
क्या देगें दवाई ये ,तेरे दरद के मारो को
बस इतनी तमन्ना..
3–तेरे तालबे–दीद है हम,तेरी धुन में रहते है हम
है ये ही तलब मेरी,पिया तेरे नजारे हो
बस इतनी तमन्ना..
4–तेरे इश्क में डूबे हम,तेरी मस्ती में खो जायें
तेरी इश्क सुराही हो,मेरी रुह के प्याले हों
बस इतनी तमन्ना..